



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II.—Section 3—Sub-section (I)

प्रारिभकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 484]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 27, 1992/अग्रहायण 6, 1914

No. 484] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 27, 1992/AGRAHAYANA 6, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारत-भवन परिवर्द्धन सलाहपत्र

(पन्ना पत्र)

अधिमूचना

नई दिल्ली 27 नवम्बर, 1992

सा का नि 399(अ) — केन्द्र सरकार महापत्तन व्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 36) की धारा 112 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मुरगाव पत्तन व्यामी मण्डल द्वारा बनाए गए और इस अधिनियम के साथ जवन अनुपूर्वों में मुरगाव पत्तन व्याम कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के पश्चात नियोजन स्वीकार करना) विनियम 1992 का अनुमोदन करती है।

2 उक्त विनियम इस अधिमूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[फा सं एच -11011 /4 /88 पी ई 1]

अशोक जोशी, मन्त्रक सचिव

अनुसूची

मुरगाव पत्तन कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के पश्चात नियोजन स्वीकार करना) विनियम, 1970 का संशोधन।

प्रमुख पत्तन व्याम अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 124(1) तथा (2) के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मुरगाव पत्तन के व्यामी मण्डल, मुरगाव पत्तन कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के बाद नियोजन स्वीकार करना) विनियम, 1970 का आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाते हैं।

1 (1) इन विनियमों को मुरगाव पत्तन कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के पश्चात नियोजन स्वीकार करना) पहला संशोधन विनियम, 1992 कहा जाएगा।

(2) ये विनियम केन्द्रीय सरकार का अनुमोदन भारतीय राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रभावोद्भि।

(2) विनियम '3' का संशोधन

विनियम 3 के उप विनियम (3) के नीचे निम्नलिखित टिप्पणी को जोड़ा जाए—

टिप्पणी — जहाँ सक्षम प्राधिकारी मानी गई अनुमति किन्हीं शर्तों के अधीन स्वीकृत करने है या विनियम 3 के उप विनियम (1) या (3)

के अन्तर्गत उक्त अनुमति को अस्वीकृत करना है तो आवेदक उक्त आशय के सक्षम प्राधिकारी के आदेश की प्राप्ति के 30 दिन के भीतर उक्त किन्हीं शर्तों अथवा अस्वीकृति के विरुद्ध मण्डल/केन्द्रीय सरकार को, जैसी भी स्थिति हो, प्रतिवेदन दे सकता है और मण्डल/केन्द्रीय सरकार उस पर उचित समझी जानेवाली कार्यवाही कर सकती है।—

बशर्ते कि ऐसी शर्त को रद्द करने अथवा किन्हीं शर्तों के बिना ऐसी अनुमति मंजूर करने को छोड़कर इस उप नियम के अन्तर्गत प्रस्तावित आदेश के विरुद्ध पेशनर को प्रतिवेदन द्वारा कारण बताओं सूचना का कोई अवसर दिए बिना कोई आदेश नहीं दिया जाएगा।

(3) विनियम "4" का संशोधन

विनियम 4(2) के नीचे निम्नलिखित नोट को जोड़ा जाए :—

टिप्पणी :— जहां सक्षम प्राधिकारी मांगी गई अनुमति किन्हीं शर्तों के अधीन स्वीकृत करते हैं या विनियम "4" के उप विनियम (1) या (2) के अन्तर्गत उक्त अनुमति को अस्वीकृत करना है, वहां आवेदक उक्त आशय के सक्षम प्राधिकारी के आदेश की प्राप्ति के 30 दिन के भीतर उक्त शर्तों अथवा अस्वीकृति के विरुद्ध मण्डल/केन्द्रीय सरकार को, जैसी भी स्थिति हो, प्रतिवेदन दे सकता है मण्डल/केन्द्रीय सरकार उस पर उचित समझी जानेवाली कार्यवाही कर सकती है :—

बशर्ते कि ऐसी शर्त को रद्द करने अथवा किसी शर्तों के बिना ऐसी अनुमति मंजूर करने के आदेश को छोड़कर इस उप नियम के अन्तर्गत प्रस्तावित आदेश के विरुद्ध पेशनर को प्रतिवेदन द्वारा कारण बताओं सूचना का कोई अवसर दिए बिना कोई आदेश नहीं दिया जाएगा।

पिछले संशोधनों का संवर्ध

(1) मण्डल सक्षम सं. 93, दिनांक 27-10-78

मंजूरी सं. पी ई जो-6 /79 दिनांक 19-5-79

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th November, 1992

G.S.R. 899(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124, read with sub-section (i) of section 132 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Mormugao Port Employees' (Acceptance of employment after Retirement) (First Amendment) Regulations, 1992 made by the Board of Trustees for the Port of Mormugao and set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

[No. H-11011/4/88-PEI]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

SCHEDULE

Amendment to Mormugao Port Employees' (Acceptance of Employment After Retirement) Regs., 1970.

In exercise of the power conferred by Section 28 read with Sec. 124(1) and (2) of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of Port of Mormugao hereby makes the following regulations further to amend the Mormugao Port Employees' (Acceptance of Employment After Retirement) Regs., 1970 :

(1) (i) These regulations may be called Mormugao Port Employees' (Acceptance of Employment after Retirement (First Amendment) Regulations, 1992.

(ii) They shall come into force with effect from the date on published in the Gazette of India.

(2) Amendment to Regulation '3': Add the following note below sub-regulation (3) of Regulation '3' :

Note : Where the Competent Authority grants the permission applied for subject to any conditions or refuses such permission under sub-regulation (1) or (3) of regulation '3', the applicant may, within thirty days of receipt of the order of the Competent Authority to that effect make a representation against any such condition or refusal to the Board/Central Govt., as the case may be, and the Board/Central Govt. may make such orders thereon as it deems fit;

Provided that no order other than an order cancelling such condition of granting such permission without any conditions shall be made under this rule without giving the pensioner making the representation an opportunity to show cause against the order proposed to be made.

(3) Amendment to Regulation '4': Add the following 'Note' below regulation 4(2): Note: Where the Competent Authority grants the permission applied for subject to any conditions or refuses such permission under sub-regulation (1) or (2) of regulation '4' the applicant may, within thirty days of receipt of the order of the Competent Authority to that effect make a representation against any such condition or refusal to the Board/Central Govt. as the case may be, and the Board/Central Govt. may make such orders thereon as it deems fit;

Provided that no order other than an order cancelling such condition or granting such permission without any conditions shall be made under this rule without giving the pensioner making the representation an opportunity to show cause against the order proposed to be made.

Reference of earlier Amendments

(1) B. R. No. 93 of 27-10-78 Sanction No. PEG-6/79 of 19-5-79.